ज़िन्दाबाद! ज़िन्दाबाद!

मनुष्य तीन चीजो का मिलन है–मन,वाक्,कर्म।
मन हमेशा निश्चल होना चाहिए
मन में बेकार के विचार बिल्कुल नहीं होने चाहिए।
मन में हमेशा शुद्ध विचार रहने चाहिए।
मन में वर्तमान के बारे में अधिक विचार होने चाहिए।
भूत और भविष्य के विचार ही मन को बरबाद करते है।
यदि मन में अनावश्यक विचार नहीं रखना चाहते,
तो निरन्तर कार्यरत रहना है।
हमेशा सुकर्म ही करना है।
मुँह से सुवाणी निकलनी चाहिए।
मुँह में सरस्वती का वास होना चाहिए।

सुकर्म करना– जिन्दाबाद! जिन्दाबाद!!
सुवाणी बोलना– जिन्दाबाद! ज़िन्दाबाद!!